वर्ष: 1 अंक 350 नागौर, 11 दिसम्बर, 2022 (रविवार) मूल्य 5 रुपया पृष्ठ 4 E-Edition

www.nagaurdaily.com

RNI Title-Code :- RAJBIL27027

Email. nagaurdaily0@gmail.com

नागौर डेली न्यूज

नागौर, कुचामनसिटी, डीडवाना, मकराना, परबतसर, जायल
मेड़तासिटी, खींवसर, डेगाना व नावां से एक साथ प्रकाशित

अहसास बदलाव का...

रचा इतिहास

वनडे में सबसे तेज दोहरा शतक ईशान के नाम

भारत के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में दोहरा शतक लगाया है। ईशान किशन ने नया कीर्तिमान बनाते हुए सबसे कम गेंद में दोहरा शतक बनाने का रिकॉर्ड हासिल किया है। ईशान किशन ने 126 गेंदों में दोहरा शतक जमाया। आपको बता दें कि बंगलादेश दौरे पर गई टीम इंडिया 2 मुकाबले हार चुकी है। तीसरा मुकाबला गया। चोटिल कप्तान रोहित शर्मा की जगह ईशान किशन को टीम में शामिल किया गया था। ईशान किशन ने वेस्टइंडीज के बल्लेबाज क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले सबसे तेज दोहरा शतक जमाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के ही नाम था।

ईशान किशन ने मुस्तफिजुर रहमान की बॉल पर 1 रन लेकर यह कीर्तिमान हासिल किया है। उन्होंने 126 गेंदों में 23 चौके और 9 छक्के भी लगाएं। ईशान किशन ने अपनी पारी में 210 रन बनाए जिसके लिए उन्होंने 131 गेंद खेली। उन्होंने कुल 24 चौके लगाए और 10 छक्के मारे। ईशान किशन का स्ट्राइक रेट 160.0 कर रहा। ईशान किशन को लिटन दास ने तस्कीन अहमद की गेंद पर बाउंड्री पर कैच आउट कराया।

ईशान किशन की तूफानी पारी के आगे बेबस हुई बांग्लादेश की टीम, सीरीज गवांकर भी जीता दिल

भारत और बांग्लादेश के बीच तीन वनडे मुकाबलों की के अंतिम मैच में भारत की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 227 रनों से मैच जीता। बांग्लादेश की टीम को 182 रनों पर ऑलआउट कर दिया। हालांकि टीम सीरीज पर कब्जा नहीं कर सकी मगर तीसरे वनडे मुकाबले में ईशान किशन और विराट कोहली की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी ने फैंस का दिल जीत लिया। बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में भारत की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की 410 रनों का टारगेट दिया। ये मुकाबला भारतीय खिलाड़ियों के लिए काफी शानदार साबित हुआ। बांग्लादेश की टीम का पहला विकेट अनामुल हक के तौर पर गिरा। वो आठ रन बनाकर अक्षर पटेल का शिकार हुए। मोहम्मद सिराज ने कप्तान लिटन दास को 29 रन के स्कोर पर चलता किया। इसके बाद बांग्लादेश की टीम टिक नहीं सकी। मुश्फिकुर रहीम को क्लीन बोल्ड कर पवेलियन भेजा गया। इसके बाद लगातार टीम के विकेट गिरते गए।

भारतीय बल्लेबाजों ने खेली धमाकेदार पारी

सलामी बल्लेबाज इशान किशन ने बेखौफ बल्लेबाजी करते हुए एकदिवसीय क्रिकेट का सबसे तेज दोहरे शतक जड़ने के साथ विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 190 गेंद में 290 रन की साझेदारी की। भारतीय टीम इसके बाद आठ विकेट खोकर 409 रन ही बना सकी। इस पारी में ईशान किशन ने 131 गेंद की पारी में 24 चौके और 10 छक्के की मदद से 210 रन बनाये।

हिमाचल के मुख्यमंत्री होंगे सुखविंदर सुक्खू

शिमला.

हिमाचल प्रदेश में लंबी उठापटक के बाद मुख्यमंत्री का नाम तय हो गया है। सुखविंदर सिंह सुक्खू राज्य के नए सीएम होंगे। उनके साथ प्रतिभा सिंह के बेटे विक्रमादित्य और उन्हीं के खेमे से मुकेश अग्निहोत्री को डिप्टी सीएम बनाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, सुक्खू का विरोध कर रहीं प्रतिभा सिंह इस ऐलान के बाद अपने समर्थक विधायकों के साथ विधानसभा के लिए रवाना हो गई हैं।

हिमाचल में 8 दिसंबर को चुनाव नतीजे आने के बाद से ही सीएम को लेकर घमासान जारी था। 40 सीटें जीतकर बहुमत हासिल करने वाली कांग्रेस में पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह भी की सीएम दावेदारी कर रही थीं। हालांकि, विधायकों से रायशुमारी के बाद सुखविंदर सिंह सुक्खू इस दौड़ में आगे निकल गए थे। कांग्रेस हाईकमान ने भी उनके नाम पर मुहर लगा दी थी।

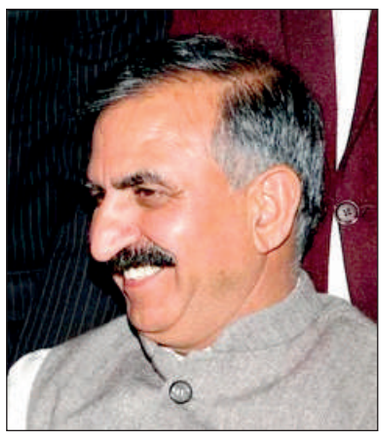

प्रतिभा सिंह ने मुकेश अग्निहोत्री का नाम आगे बढ़ाया

दोपहर तक तो सीएम चुनने की प्रोसेस वैसी ही चल रही थी, जैसी उम्मीद थी। असल पेंच इसके बाद फंसा, जब प्रतिभा सिंह ने सुक्खू के नाम से असहमति जता दी। वे अपने खेमे से मुकेश अग्निहोत्री को मुख्यमंत्री बनाने पर अड़ गईं। सुक्खू का नाम आगे बढ़ने पर प्रतिभा सिंह गुट के लोगों ने सड़क पर धरना दिया और हाईकमान के खिलाफ नारेबाजी की।

सांसद होने के चलते कमजोर पड़ी प्रतिभा की दावेदारी

वहीं प्रतिभा सिंह के सांसद होने की वजह से दावेदारी कमजोर पड़ी है, जिसके बाद प्रतिभा अब अपने खेमे के मंत्रियों को लेकर बातचीत कर रही हैं। सूत्रों की मानें तो प्रतिभा सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह को डिप्टी सीएम बनाने की मांग की जा रही है। इसके अलावा प्रतिभा सिंह अपने खेमे के विधायकों के लिए ज्यादा मंत्रीपद चाहती हैं। वहीं एक नाम पर सहमति के लिए ऑब्जर्वर ने दोपहर बाद विधायक दल की फिर मीटिंग बुला ली है। फिलहाल प्रतिभा, मुकेश अग्निहोत्री और सुखविंदर सुक्खू उसी सिसिल होटल में हैं, जहां पर कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला और ऑब्जर्वर भूपेश बघेल व भूपेंद्र हुड्डा ठहरे हुए हैं।

फेमस एक्ट्रेस वीणा कपूर की जायदाद के लिए बेटे ने की बेरहमी से हत्या

बल्ले से पीट-पीटकर मारा, लाश को नदी में फेंका

नई दिल्ली

दिग्गज टीवी अभिनेत्री वीना कपूर की उनके बेटे ने संपत्ति विवाद को लेकर हत्या कर दी। 74 वर्षीय अभिनेत्री को झगड़े के बाद बेसबॉल के बल्ले से बेरहमी से पीटा गया था। एक्ट्रेस का बेटा, जो अमेरिका में रहता था, ने वीना से लड़ाई की और गुस्से में आकर उसे मार डाला। खबरों के मुताबिक वीना कपूर के बेटे ने पुलिस के सामने एक्ट्रेस की हत्या करने की बात कबूल कर ली है।

पूछताछ के दौरान उसने यह भी कबूल किया कि 12 करोड़ रुपये के प्लॉट को हड़पने के लिए उसकी और उसकी मां के बीच तीखी बातचीत हुई थी और यही उसके गुस्से का कारण बना। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने दिग्गज अभिनेत्री की हत्या के मामले में मृतक के बेटे सचिन कपूर (43) और नौकर छोटू उर्फ लालू कुमार मंडल (25) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार (6 दिसंबर) को कल्पतरु सोसाइटी, जहां वीना कुमार रहती थीं, के सुरक्षा पर्यवेक्षक ने जुहू पुलिस को सूचित किया और कहा कि अभिनेत्री लापता हो गई है।

सफाईकर्मियों के गले में हाथ डालकर चले राहुल

केशोरायपाटन(बूंदी)।

राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा के छठे दिन राहुल गांधी ने सफाई कर्मियों से बात की। राहुल उनके गले में हाथ डालकर लंबी दूरी तक चले। लंच ब्रेक के दौरान प्रेस कांफ्रेंस में जयराम रमेश ने गुजरात चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी और एमआईएम पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियां वोट कटवा हैं।

जहां भी कांग्रेस-भाजपा में सीधा मुकाबला होता है वहां ये दोनों वोट काटने पहुंच जाते हैं। ये दोनों भाजपा की बी टीम हैं। गुजरात में हार के लिए रमेश ने कमजोर पार्टी संगठन को जिम्मेदार बताया। इससे पहले शनिवार को करीब दस किलोमीटर के सफर में अलग-अलग धर्म के गुरु भी राहुल से मिलने पहुंचे। राजस्थान के साथ देश के परिदृश्य को लेकर राहुल ने उनसे बातचीत की। यात्रा में कांग्रेस सीनियर लीडर अधीर रंजन चौधरी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, खेल मंत्री अशोक चांदना के साथ कई मंत्री और विधायक भी चल रहे हैं। वहीं, जिला बनाने की मांग को लेकर पचपदरा विधायक यात्रा में नंगे पैर चलते हुए दिखाई दिए। इससे पहले सुबह राहुल रणथंभौर से हेलिकॉप्टर में यात्रा कैंप पहुंचे थे। शुक्रवार को सोनिया गांधी के बर्थडे के कारण राहुल ने यात्रा से ब्रेक लिया था।

भूपेंद्र पटेल दूसरी बार बनेंगे गुजरात के सीएम

बीजेपी की विधायक दल की बैठक में लगी मुहर

अहमदाबाद।

गुजरात के सीएम पद के लिए एक बार फिर से भूपेंद्र पटेल को चुना गया है। शनिवार को गांधीनगर स्थित कमलम ऑफिस में विधायक दल की बैठक में सर्व सम्मति से उनके नाम पर मुहर लग गई। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में विधायक की दल की बैठक बुलाई गई थी। बैठक में कर्नाटक के पूर्व सीएम येदियुरप्पा और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा बतौर निरीक्षक शामिल हुए थे। भूपेंद्र पटेल दो बजे राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

सोमवार को होगी सीएम पद की शपथ

शुक्रवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ राज्य में नई सरकार के गठन से पहले औपचारिक इस्तीफा दिया था। भूपेंद्र पटेल 12 दिसंबर को गांधीनगर के हेलीपैड मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

गौरतलब है कि गुजरात की 182 विधानसभा सीट में से 156 सीट पर विजय हासिल करके भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।

भूपेंद्र पटेल को चुना जाना मात्र औपचारिकता थी

भूपेंद्र पटेल का विधायक दल का नेता चुना जाना महज औपचारिकता थी, क्योंकि पार्टी चुनाव से पहले ही पटेल के राज्य का नया मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा कर चुकी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पाटिल ने पटेल के एक बार फिर राज्य का मुख्यमंत्री बनने की गुरुवार को ही पुष्टि कर दी थी।

उन्होंने एलान किया था कि 12 दिसंबर को सीएम पद के लिए पटेल का शपथ ग्रहण होगा। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ-साथ भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे।

अमेरिका ने उत्तर कोरियाई कंपनी के लिए काम करने पर भारतीय नागरिक पर प्रतिबंध लगाए

वाशिंगटन।

अमेरिका ने उत्तर कोरियाई सरकार द्वारा संचालित एनिमेशन स्टूडियो की ओर से काम करने और उसे सहयोग देने के लिए एक भारतीय नागरिक समेत दो लोगों और सात संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस की पूर्व संध्या और अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार रोधी दिवस के मौके पर शुक्रवार को यह कार्रवाई की।

उसने दुनियाभर में मानवाधिकारों के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के लिए जवाबदेही तय करने के प्रयास के तौर पर यह कार्रवाई की।

सम्पादकीय

उत्साह का निवेश

अर्थव्यवस्था को अपेक्षित गति में लौटा लाने के लिए मंद पड़े क्षेत्रों में निवेश पर जोर दिया जाता रहा है। कोरोना की वजह से लंबे समय तक बंदी रहने की वजह से कई क्षेत्रों में अभी तक कारोबारी रफ्तार नहीं लौट पाई है। इसकी वजह से रोजगार सृजन में भी दिक्कतें पैदा हो रही हैं। निर्माण यानी आवासीय परियोजनाओं में भी सुस्ती होने की वजह से अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है। हालांकि कोरोना से पहले ही बेनामी संपत्तियों के खिलाफ कड़ाई, भवन निर्माण सामग्री की कीमतें बढ़ने आदि के चलते आवासीय परियोजनाओं में सुस्ती आ गई थी। बहुत सारी परियोजनाएं लटक गई थीं। कोरोना की बंदी से उस पर दोहरी मार पड़ी। तब सरकार ने घोषणा की थी कि लटकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए वह दस हजार करोड़ रुपए का एक कोष बनाएगी और उसमें पैसे डाले जाएंगे। इसके पहले चरण में पांच हजार करोड़ रुपए डाले गए थे, जिससे अटकी हुई परियोजनाओं को कुछ गति मिल सकी थी। अब इस कोष में बाकी के पांच हजार करोड़ रुपए डाल दिए गए हैं। इससे स्वाभाविक ही आवासीय परियोजनाओं से जुड़े उद्योग में उत्साह बना है।

निर्माण के क्षेत्र में रोजगार सृजन की बड़ी संभावना होती है। इसलिए जब इस क्षेत्र में मंदी आती है, तो बहुत सारे निर्माण मजदूरों और दूसरे कामों से जुड़े लोगों के सामने रोजगार का संकट पैदा हो जाता है। इसका असर स्वाभाविक रूप से अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। अब अटकी पड़ी आवासीय परियोजनाओं को गति मिलने से एक तरफ जहां बहुत सारे लोगों के लिए रोजगार के अवसर फिर से खुलेंगे, वहीं उन निवेशकों को भी राहत मिलेगी, जिन्होंने बैंकों से कर्ज लेकर वर्षों से आशियाने का सपना संजो रखा है।

महंगाई रोकने के मकसद से जिस तरह थोड़े-थोड़े अंतराल पर बढ़ोतरी कर रेपो रेट में करीब ढाई फीसद का इजाफा किया जा चुका है, उससे उन लोगों पर सबसे अधिक बोझ पड़ रहा है, जिन्होंने बैंकों से आवास के लिए कर्ज ले रखा है। एक तो उन्हें समय पर घर न मिल पाने की वजह से किराए के घर में रहना पड़ रहा है, दूसरे बैंक की किस्त अधिक चुकानी पड़ रही है। इसके अलावा आवासीय परियोजनाएं जैसे-जैसे लटकती जाती हैं, उनके निर्माण का खर्च भी बढ़ता जाता है। इस तरह खरीदार को शुरुआती तय कीमत से अधिक कीमत चुकानी पड़ जाती है। अच्छी बात है कि सरकार ने रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं को पूरा कराने के लिए पूंजी उपलब्ध कराई है। अभी यह वित्तीय मदद एक सौ सत्ताईस अटकी हुई परियोजनाओं को मुहैया कराई जा रही है। स्वाभाविक ही इन परियोजनाओं का संचालन कर रही कंपनियों को काफी राहत मिल सकेगी, क्योंकि पूंजी के अभाव में वे अपने काम को आगे नहीं बढ़ा पा रही थीं।

इसके बाद दो सौ छियासी अन्य परियोजनाओं का भी आकलन किया जा रहा है, जिन्हें वित्तीय मदद की जरूरत है। इसके लिए निजी और सार्वजनिक, सभी तरह के बैंकों को आगे बढ़ने को कहा गया है। हालांकि यह कोई पहला क्षेत्र नहीं है, जिसमें वित्तीय मदद के लिए सरकार ने बैंकों को प्रोत्साहन दिया है। कोरोना के बाद बड़े उद्योगों और एमएसएमई को भी इसी तरह का राहत प्रस्ताव दिया गया था, मगर उन्हें कारोबार में तेजी नजर नहीं आई, इसलिए वे उस प्रस्ताव का लाभ उठाने को आगे नहीं आए। आवासीय परियोजनाओं के मामले में भी ऐसा न हो, इसके लिए ध्यान रखना होगा।

कुपोषण की चुनौती और मोटा अनाज

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रकाशित 'द स्टेट आफ फूड सिक्योरिटी ऐंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड रिपोर्ट-2022' के अनुसार 2021 में भारत की 22.4 करोड़ आबादी कुपोषण और भूख का सामना कर रही थी, तो दुनिया में कुपोषण की चुनौती का सामना करने वाले लोगों की कुल संख्या 76.8 करोड़ थी। विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों के मुताबिक, इस कुपोषित आबादी की थालियों में मोटे अनाज बढ़ा कर कुपोषण कम करने की डगर पर आगे बढ़ा जा सकता है। गौरतलब है कि मोटे अनाजों को पोषण का शक्ति केंद्र कहा जाता है। पोषक अनाजों की श्रेणी में ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी, चीना, कोदो, सावां, कुटकी, कुट्टू और चौलाई प्रमुख हैं। मोटे अनाज किसान हितैषी फसलें हैं। इनके उत्पादन में पानी की कम खपत और कम कार्बन उत्सर्जन होता है। ये सूखे वाली स्थिति में भी उगाई जा सकती हैं। मोटा अनाज सूक्ष्म पोषक तत्त्वों, विटामिन और खनिजों का भंडार है। छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण में विशेष लाभप्रद हैं। शाकाहारी खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के दौर में मोटा अनाज वैकल्पिक खाद्य प्रणाली प्रदान करता है। इनकी खेती सस्ती और कम जोखिम वाली होती है। मोटे अनाजों का भंडारण आसान है और ये लंबे समय तक संग्रह योग्य बने रहते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि देश में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए और सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान लोगों तक जिस तरह मुफ्त अनाज पहुंचाया, वह व्यवस्था जारी रहनी चाहिए। ऐसे में निश्चित रूप से मोटे अनाज का उत्पादन और वितरण बढ़ा कर देश में भूख और कुपोषण की चुनौती का सामना और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि देश का कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा। इस समय जब देश में भूख और कुपोषण की चुनौतियां उभर रही हैं, तो अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर) 2023 के व्यापक प्रचार-प्रसार से मोटे अनाज के अधिक उत्पादन और वितरण से इस चुनौती से पार पाने की संभावनाएं भी दिखाई दे रही हैं।

देश में कुछ दशक पहले तक सभी लोगों की थाली का एक प्रमुख भाग मोटे अनाज हुआ करते थे। फिर हरित क्रांति और गेहूं-चावल पर हुए व्यापक शोध के बाद गेहूं-चावल का हर तरफ अधिकतम उपयोग होने लगा। मोटे अनाजों पर ध्यान कम हो गया। हालांकि तकनीक और अन्य सुविधाओं के दम पर पांच दशक पहले की तुलना में प्रति हेक्टेयर मोटे अनाजों की उत्पादकता बढ़ गई है, लेकिन इनका रकबा तेजी से घटा और इनकी पैदावार कम हो गई है। इनका उपभोग लगातार कम होता गया है। स्थिति यह है कि कभी हमारे खाद्यान्न उत्पादन में करीब चालीस प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले मोटे अनाज की हिस्सेदारी इस समय दस प्रतिशत से भी कम हो गई है। ऐसे में देश में करोड़ों लोगों के लिए पोषण युक्त आहार की व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश की लगभग दो तिहाई आबादी सबसिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने की हकदार है। सभी पात्र परिवारों को तीन रुपए किलो चावल, दो रुपए किलो गेहूं और एक रुपए किलो की दर से मोटे अनाज का वितरण आवश्यक है। इसके अलावा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लिए भी अनाज का एक बड़ा भाग उपभोग में आ रहा है। चूंकि गेहूं और चावल की तुलना में मोटे अनाज में पोषक तत्त्व अधिक हैं और ये किसान हितैषी फसलें हैं, इसलिए इनका अधिक उत्पादन और वितरण किया जाना कुपोषण को दूर करने में काफी मददगार साबित होगा। भारत के अधिकांश राज्य एक या अधिक मिलेट (मोटा अनाज) उगाते हैं। खासकर अप्रैल 2018 से सरकार देश में मोटे अनाज का उत्पादन बढ़ाने के लिए 'मिशन मोड' में काम कर रही है। मोटे अनाज के न्यूनतम समर्थन मूल्य में राहतकारी वृद्धि की गई है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत मोटे अनाज घटक चौदह राज्यों के दो सौ बारह जिलों में क्रियान्वित किया जा रहा। इन्हें उगाने के लिए किसानों को अनेक सहायता दी जाती है। देश में मिलेट मूल्यवर्धित शृंखला में पांच सौ से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। मोटे अनाज के वैश्विक उत्पादन में भारत का हिस्सा करीब चालीस फीसद है। इनके उत्पादन और निर्यात में पूरी दुनिया में भारत पहले स्थान पर है। देश में मोटा अनाज उत्पादन के शीर्ष राज्य राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और मध्यप्रदेश में इनके उत्पादन के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। निश्चित रूप से अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के तहत सरकार की यह रणनीति होनी चाहिए कि जिस तरह

पिछले चार-पांच दशक में अन्य नकदी फसलों को बढ़ावा देने के कदम उठाए गए हैं, वैसे ही कदम मोटे अनाजों के संदर्भ में भी उठाए जाएं। जब किसानों को भरोसा होगा कि उन्हें मोटे अनाजों की उपज का सही दाम मिल सकता है, तो निस्संदेह वे मोटे अनाज की खेती के लिए भी प्रोत्साहित होंगे हैं। अब सरकारी खरीद में मोटे अनाज की हिस्सेदारी और न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ाना होगा। देश के कृषि अनुसंधान संस्थानों द्वारा मोटे अनाजों पर लगातार शोध बढ़ाना और अधिक उपज के लिए बायो फर्टिलाइज तकनीक का अधिक उपयोग करना होगा। मोटे अनाजों को लोकप्रिय बनाने के लिए इनसे नूडल्स, कुरकुरे आदि बनाने की दिशा में भी अधिक काम करना होगा, जिससे मोटे अनाजों के बाजार का विस्तार होगा। किसान इनकी खेती के लिए अधिक प्रोत्साहित होंगे। खासकर देश और दुनिया में कुपोषण की चुनौती को दूर करने के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और खाद्यान्न की कीमतों के नियंत्रण में मोटे अनाज की महत्त्वपूर्ण भूमिका बनानी होगी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आम आदमी तक गेहूं और चावल की तुलना में मोटे अनाज की अधिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मोटे अनाजों की सरकारी खरीद बढ़ानी और इनके निर्यात को बढ़ाने की नई रणनीति बनानी होगी। निस्संदेह बढ़ते वैश्विक कुपोषण और भूख संकट के दौर में भारत में भूख और कुपोषण की चुनौती को कम करने में मोटे अनाजों की अधिक आपूर्ति के साथ कई और बातों को भी ध्यान में रखा जाना होगा। देश में गरीबों के सशक्तिकरण की कल्याणकारी योजनाओं के अधिक विस्तार, कृषि क्षेत्र में सुधार तथा खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के नए कदम जरूरी होंगे। अब केंद्र सरकार द्वारा गरीबों, किसानों और कमजोर वर्ग के करोड़ों लोगों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से अधिक नकद धन हस्तांतरित किया जाना लाभप्रद होगा। सरकारी योजनाओं के और अधिक लाभ डीबीटी से लाभार्थियों तक पहुंचने से गरीबों का सशक्तिकरण होगा और कुपोषण की चुनौती कम होगी। सरकार द्वारा सामुदायिक रसोई की व्यवस्था को मजबूत बना कर उन जरूरतमंदों के लिए भोजन की कारगर व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, जिन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का लाभ नहीं मिल पा रहा है। साथ ही देश में बहुआयामी गरीबी, भूख और कुपोषण खत्म करने के लिए पोषण अभियान-2 को पूरी तरह कारगर और सफल बनाना होगा।

स्वास्थ्य समाचार

शहद में नींबू का रस मिलाकर लगाने से दूर होती हैं त्वचा के दाग-धब्बों, झुर्रियों जैसी समस्याएं

स्किन की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए नींबू और शहद आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद औषधीय गुण स्किन की समस्याओं को दूर करने में प्रभावी हो सकती हैं। शहद में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण स्किन की सूजन को कम करने में लाभकारी हो सकते हैं। इन दोनों का मिश्रण आपकी स्किन को हाइड्रेट रखने में उपयोगी है।

डार्क स्पॉट और पिगमेंटेशन से छुटकारा

चेहरे पर शहद और नींबू लगाने से डार्क स्पॉट और पिगमेंटेशन की परेशानी दूर हो सकती है। शहद में मौजूद गुण पिगमेंटेशन की समस्या को सुधारने में प्रभावी हो सकता है। वहीं, नींबू का रस स्किन पर नैचुरल रूप से ब्लीचिंग करता है। साथ ही इससे स्किन की ब्राइटनिंग बढ़ती है। ऐसे में नींबू के रस का इस्तेमाल करने से स्किन से पिगमेंटेशन की परेशानी दूर होगी, जो आपके चेहरे की रंगत को सुधारने में भी असरदार हो सकता है।

झुर्रियां करे कम

चेहरे पर नींबू और शहद का इस्तेमाल करने से बढ़ती उम्र के लक्षणों जैसे- झुर्रियां, फाइन-लाइंस की समस्या कम की जा सकती है। दअरसल, नींबू और शहद में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण स्किन की झुर्रियों को कम करने में प्रभावी हो सकती हैं।

स्किन इंफेक्शन से राहत

स्किन पर इंफेक्शन की समस्या को दूर करने के लिए नींबू और शहद का इस्तेमाल किया जा सकता है। शहद में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण स्किन से संक्रमण को दूर करने में लाभकारी हो सकते हैं। वहीं, नींबू की बात कि जाए, तो इसमें एंटीबायोफिल्म और एंटीमाइक्रोबियल प्रभाव पाए जाते हैं, जो स्किन को इंफेक्शन से दूर करने में असरदार हो सकते हैं।

पिंपल्स की परेशानी करे दूर

चेहरे पर शहद और नींबू के इस्तेमाल से पिंपल्स की परेशानी दूर हो सकती है। दरअसल, शहद में एंटीमाइक्रोबियल गुण पाया जाता है, जो बैक्टीरिया को दूर करने में असरदार है। इस मिश्रण का इस्तेमाल करने से मुंहासों की परेशानी दूर हो सकती है। कई आयुर्वेद एक्सपर्ट स्किन की परेशानियों को दूर करने के लिए शहद और नींबू का इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं।

स्किन पर लाए चमक

स्किन की चमक को बढ़ाने के लिए भी आप शहद और नींबू का मिश्रण अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। इससे आपकी स्किन की व्हाइटनिंग बढ़ती है। साथ ही चेहरे की रंगत में सुधार आता है। नींबू में स्किन को साफ करने का गुण होता है, जो स्किन पर चमक लाने में आपकी मदद करता है। हालांकि, नींबू को कभी भी अकेले अपने चेहरे पर न लगाएं।

चेहरे पर कैसे लगाएं नींबू और शहद

चेहरे पर नींबू और शहद का मिश्रण लगाने के लिए चेहरे को अच्छी तरह से धो लें। इसके बाद 1 कटोरी में 1 चम्मच शहद और नींबू के रस को अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं। आप चाहे, तो इसमें हल्दी भी मिक्स कर सकती हैं। इसके बाद करीब 15 से 20 मिनट के बाद ठंडे पानी से अपने चेहरे को धो लें। इससे स्किन की खूबसूरती पर निखार आ सकता है।

मुंहासों की समस्या

अगर आपकी त्वचा में बहुत मुंहासे होते हैं तो आपको लौंग के तेल से बना फेसपैक यूज करना चाहिया या आप एंटी-एकने फेसपैक में 1 बूंद लौंग के तेल की मिलाकर भी यूज कर सकती हैं। आप अगर उबटन का इस्तेमाल करती हैं तो उसमें भी 1 बूंद लौंग के तेल की यूज करके मुंहासों से छुटकारा पा सकती हैं। बाजार में आपको लौंग का तेल आसानी से मिल जाएगा मगर आप इसे कम दामों पर ऑनलाइन यहां से खरीद सकती हैं।

इन समस्याओं को दूर करने के लिए करें अरंडी के पत्तों का इस्तेमाल

आयुर्वेद में कई ऐसी जड़ी-बूटियां हैं, जिनका उपयोग कई समस्याओं को दूर करने के लिए घरेलू उपाय के तौर पर किया जाता है। इन्हीं में से एक है अरंडी का पेड़। अरंडी का पेड़ औषधीय गुणों से भरपूर होता है। अरंडी के बीजों, टहनियों और पत्तियों में अनेक गुण पाए जाते हैं। आयुर्वेद में अरंडी के पत्तों का इस्तेमाल कई समस्याओं को दूर करने के लिए किया जाता है। इनका इस्तेमाल चिकित्सा उपायों में किया जाता है। आप चाहें तो छोटी-छोटी समस्याओं को दूर करने के लिए भी घर पर अरंडी के पत्तों का उपयोग कर सकते हैं।

घाव भरने के लिए अरंडी के पत्तों का इस्तेमाल : अरंडी के पत्तों का इस्तेमाल घाव जल्दी भरने के लिए किया जा सकता है। अरंडी के पत्तों में ऐसे कई प्राकृतिक गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा के घाव को जल्दी भरने में असरदार होते हैं। अरंडी के पत्तों का उपयोग सूजन भी कम करते हैं। घाव भरने के लिए आप अरंडी के पत्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कब्ज दूर करे अरंडी के पत्ते : अरंडी के पत्तों का उपयोग कब्ज की समस्या दूर करने के लिए भी किया जा सकता है। इसके लिए आप अरंडी के पत्तों को सूखाकर पाउडर बना लें। इस पाउडर को सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ लें। इससे आपका पेट अच्छी तरह से साफ होगा। लेकिन कब्ज के लिए अरंडी के पत्तों का इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। अरंडी के पत्तों से कब्ज की समस्या दूर होती है।

शरीर के दर्द में आराम दिलाए अरंडी के पत्ते : अक्सर जब शरीर में दर्द होता है, तो लोग अरंडी के पत्तों का इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं। इसके लिए आप एक तवे पर तेल गर्म करें, इसमें अरंडी के पत्ते रखें, फिर प्रभावित स्थान पर लगाएं। दिन में 2-3 बार ऐसा करने से आपके दर्द में काफी आराम मिलेगा। शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द से आराम पाने के लिए आप अरंडी के पत्तों का उपयोग कर सकते हैं।

चोट लगने पर लगाएं अरंडी के पत्ते : कई बार हमें चोट लगती है, वो चोट दिखाई नहीं देता लेकिन दर्द का अहसास होता है। इसे गुम चोट कहा जाता है। गुट चोट के दर्द को कम करने के लिए भी अरंडी के पत्तों का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आप तेल गर्म करें, इसमें अरंडी के पत्ते डालें और दर्द वाली जगह पर लगाएं। इससे आपके दर्द में आराम मिलेगा, चोट की लालिमा भी कम होगी।

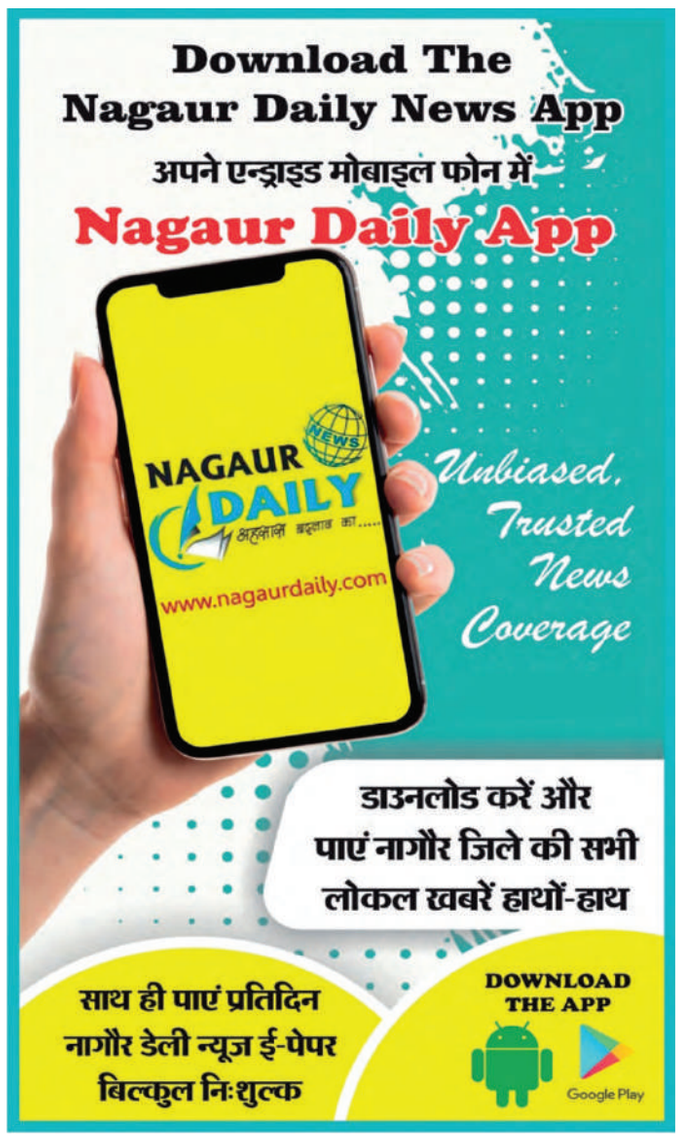

आज का राशिफल

मेष

आज आपका दिन मिश्रित फलदायी है। आपको आज नए काम करने की प्रेरणा मिलेगी। कोई नया काम भी शुरू कर पाएंगे। आज आपके विचार जल्दी-जल्दी बदलेंगे। इससे किसी तरह का कन्फ्यूजन आपको हो सकता है।

वृषभ

आज नौकरी एवं व्यवसाय में आपको प्रतियोगियों के कड़े व्यवहार का सामना करना पड़ेगा। किसी निश्चित काम के लिए आप आगे प्रयास करेंगे। यात्रा का योग है। महिलाओं को आज वाणी पर संयम रखने की सलाह दी जाती है।

मिथुन

हाथ में आया हुआ अवसर कन्फ्यूजन के कारण आज आप गंवा सकते हैं और उसका लाभ नहीं ले पाएंगे। आज बहुत से विचार आपको परेशान करेंगे। जल्दबाजी में आपका काम बिगड़ सकता है।

कर्क

आज कोई भी नया काम शुरू करना हित में नहीं है। वाद-विवाद या चर्चा में आप जिद्दी बने रहेंगे। भाई-बहनों में प्रेम बना रहेगा। आज के दिन की शुरुआत में मन प्रफुल्लित और चित्त स्वस्थ होगा।

सिंह

आज मित्र या परिवार के सदस्यों के साथ भोजन का आनंद उठा सकते हैं। सुंदर वस्त्र धारण करेंगे। आर्थिक दृष्टि से आपके लिए आज का दिन लाभदायी है। आज मन से नकारात्मक विचारों को निकाल दें।

कन्या

आज आप मानसिक अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। किसी एक निश्चय पर आप नहीं पहुंच पाएंगे। असमंजस के कारण मानसिक कष्ट होगा। संबंधियों के साथ अनबन हो सकती है। पारिवारिक कामों के पीछे खर्च होगा।

तुला

झगड़े से आज दूर रहें। किसी से विवाद होने पर तत्काल उससे माफी मांगे, अन्यथा आगे आपको उससे दिक्कत हो सकती है। बिना सोचे काम करने का परिणाम नुकसान देगा। आरोग्य एवं धन की हानि हो सकती है।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। फिर भी दुविधापूर्ण मानसिकता के कारण सामने आया हुआ अवसर गंवा देंगे। नए काम की शुरुआत आज ना करें। दोपहर के बाद दोस्तों से मुलाकात सुखद रह सकती है।

धनु

आज आप नए काम की योजनाओं को अमल में ला सकेंगे। व्यापार और नौकरी करने वाले लोगों को लाभ मिल सकेगा। अधिकारी आप पर कृपादृष्टि रखेंगे। पिता की तरफ से कोई लाभ मिल सकता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मकर

परिवार में माहौल आनंदमय रहेगा। बिजनेस के काम से प्रवास होने की संभावना है। दांपत्यजीवन में मेल-जोल रहेगा। आज आप बौद्धिक तथा लेखन के कामों में सक्रिय रहेंगे। नए काम की शुरुआत के लिए दिन अच्छा है।

कुंभ

लंबे प्रवास या धार्मिक स्थल की मुलाकात करने का प्रसंग बनेगा। नौकरी में लाभ का अवसर मिलेगा। विदेश में रहते मित्र या स्नेहीजनों के समाचार मिलेंगे। व्यवसाय या नौकरी पर सहकर्मियों का साथ कम मिलेगा।

मीन

स्वास्थ्य के मामले में संभलकर रहें। विरोधियों के साथ किसी चर्चा में ना उतरें। आज का दिन सावधानी से बिताने की सलाह आपको दी जाती है। नए काम का आरंभ न करें एवं क्रोध पर संयम रखें।

आने वाले चुनावों में भाजपा की होगी सत्ता : पुनिया

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पुनिया ने निंबीजोधां में आयोजित चौपाल कार्यक्रम को किया संबोधित

अबूबकर बल्खी

लाडनूँ(नागौर डेली न्यूज)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पुनिया ने यहां निंबीजोधां में आयोजित चौपाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की जन आक्रोश यात्रा प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता की आवाज है। जो सरकार को आने वाले चुनावों में पटकनी देगी। उन्होंने कहा कि कॉन्ग्रेस भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही है। जो एक दिखावे से ज्यादा कुछ भी नहीं है। क्योंकि कॉन्ग्रेस ने पिछले चुनाव में राहुल गांधी के जरिये कर्ज माफी का वादा किया था, लेकिन किसानों के कर्ज आज तक माफ नहीं किये। पुनिया ने कहा कि आने वाले चुनावों में राजस्थान की सत्ता को जनता भारतीय जनता पार्टी को फिर से सौंपेगी। क्योंकि किसान, गरीब, महिला और विद्यार्थियों के कल्याण की सैंकड़ों योजनाऐं केंद्र की सरकार ने दी है और कश्मीर में धारा 370 को हटाने का काम किया।

राम मंदिर निर्माण राष्ट्रीय अस्मिता को नई पहचान

वहीं राम मंदिर का निर्माण आरंभ करवाकर राष्ट्रीय अस्मिता को नई पहचान दी है। कार्यक्रम में नागौर जिला देहात अध्यक्ष गजेंद्र सिंह ओडिंट ने कहा कि आने वाला समय भारतीय जनता पार्टी का है। इसलिए सभी कार्यकर्ताओं को आपसी मनमुटाव भुलकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबका साथ-सबका विकास की तर्ज पर काम करना चाहिए। जन आक्रोश यात्रा संयोजक नाथूराम कालेरा ने यात्रा के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

ये दिग्गज रहे मौजूद

कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री सीआर चौधरी, जिला प्रभारी वासुदेव चावला जिलामंत्री जगदीश पारीक, भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रजनी गावड़िया, महामंत्री सुनीता वर्मा, जिला प्रवक्ता राजेंद्र सिंह धोलिया, जिला परिषद सदस्य मरूधर कंवर, शहर मण्डल अध्यक्ष मुरलीधर सोनी, महामंत्री राजेश शर्मा, डीडवाना के जितेंद्र सिंह, श्याम प्रताप सिंह, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर अध्यक्ष जयसिंह नांदू, भाजयूमो अध्यक्ष चेतन भोजक, बृजराज सिंह, उमेश पीपावत, पार्षद दिलीप टाक, विजयलक्ष्मी पारीक, रेणु कोचर के अलावा सैंकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में काफी संख्या में महिलाएं भी मौजूद रही।

साझेदारी भूमि की पत्रावली खारिज करने की मांग

अबूबकर बल्खी

लाडनूँ(नागौर डेली न्यूज) : स्थानीय तेली रोड निवासी मोहम्मद इमरान बोपारी ने नगर पालिका अधिशासी अधिकारी को पत्र सौंपकर उनकी संयुक्त भूमि में साझेदार एक व्यक्ति के नाम पट्टा जारी करने पर आपत्ति जताई है। पत्र में बताया गया कि हमारी पुश्तैनी जमीन तेली रोड गली नंबर 38 में है जो कि मेरे पिता मोहम्मद शरीफ , चाचा मोहम्मद यूसुफ , बिनयामीन व मोहम्मद अनवर के संयुक्त साझेदारी की जमीन है । संयुक्त हक की पुश्तैनी संपत्ति अपने पिता के नाम होने के चलते वह इस संपत्ति के हकदार है। इसके लगते जमीन रिकॉर्ड में पड़ोसी के रूप में भी उनके दादा अब्दुल रज्जाक का मकान दर्ज है। संयुक्त संपत्ति में उनके चाचा बिनयामीन ने अवैध तरीके से संपूर्ण जमीन का पूरा पट्टा बनवाने का प्रयास किया है।

आदर्श महाविद्यालय के छात्र नरेश कुमावत ने कराटे में जीता गोल्ड, कुचामन पहुंचने पर हुआ सम्मान

गोवा में आयोजित छठी नेशनल स्टूडेंट गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया कराटे प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

आदर्श स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : स्टेशन रोड स्थित आदर्श स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्र नरेश कुमावत पुत्र समाजसेवी ठेकेदार ओमप्रकाश कुमावत का गोवा में आयोजित छठी नेशनल स्टूडेंट गेम्स-2022 स्टूडेंट गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर शनिवार को महाविद्यालय पहुंचने पर स्वागत सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में आदर्श शिक्षण संस्थान के प्रबंध निदेशक डॉ. राजाराम प्रजापति, निदेशक योगेश कुमार जाखड़ ने छात्र नरेश कुमावत का माला व मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएं दी। प्राचार्य डॉ. गौरीशंकर निमिवाल ने समाजसेवी ठेकेदार ओमप्रकाश कुमावत का माला पहनाकर मुंह मीठा कराकर बहुमान किया।

संस्थान विद्यार्थियों की रूचि के हिसाब से खेलों में तराशने का काम कर रहा है : डॉ. राजाराम प्रजापति ने कहा कि वर्तमान समय में खेलों की महत्ता बहुत है। संस्थान भी छात्र-छात्राओं की रूचि के हिसाब से खेलों में तराशने का काम कर रहा है। इस अवसर पर योगेश कुमार जाखड़ ने कहा कि आदर्श शिक्षण संस्थान शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों में विद्यार्थियों को तमाम सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. गौरीशंकर निमिवाल ने छात्र नरेश कुमावत के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि राज्य व केंद्र सरकार खेलों के प्रति बहुत गंभीर है। युवाओं को खेलों में सतत सक्रियता व समर्पण से खेलने का आह्वान किया।

ये रहे मौजूद : गौरतलब है कि छात्र नरेश कुमावत ने गोवा मापुसा के पदम स्पोर्ट्स कोपलेक्स में आयोजित कराटे प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। इस सम्मान कार्यक्रम में निशिकांत छिपा, मुकेश कुमार ढाका, व्याख्याता कुनाराम बेड़ा, मंजू चौधरी, अश्विनी कुमार यादव, राजीव शुक्ला, श्रीमती पूनम राठौड़, विपुल भटेजा, रामावतार कुमावत, दीपक सीरवी, सुमित कलाकार, भावना सैनी, गजेंद्र चौधरी, कैलाश सेंवर, उपासना शर्मा, राजूदेवी सहित छात्र-छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

ग्लोबल इंटरनेशनल एकेडमी में मनाया अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

विद्यार्थियों ने स्लोगन, नाटक, नृत्य, भाषण आदि अभिव्यक्तियों द्वारा अधिकारों के प्रति सचेत रहने के लिए फैलायी जागरूकता

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : शहर के स्टेशन रोड स्थित ग्लोबल इंटरनेशनल एकेडमी में शनिवार को अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्लोगन, नाटक, नृत्य, भाषण आदि अभिव्यक्तियों द्वारा अधिकारों के प्रति सचेत रहने के लिए जागरूकता फैलायी। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय निदेशक बनवारी लाल पचार, कोषाध्यक्ष सुनिल कुमार बिजारणिया, सचिव सुल्तान सिंह थालौड़ तथा प्रधानाचार्या प्रतिमा पंवार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बनवारी लाल पचार ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा का महत्व तभी है जब हम अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहे और उनका सही दिशा में उपयोग करके दूसरो को भी सचेत करते चले। प्रधानाचार्या प्रतिमा पंवार ने अपने उद्बोधन में बताया कि अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए यह भी ध्यान रखे कि कही दूसरों के अधिकारों का हनन तो नहीं हो रहा हैं। स्वार्थ से उपर उठ कर अपने अधिकारों के प्रयोग के साथ कर्तव्यों की पालना को भी उन्होंने महत्वपूर्ण बताया।

अपने हक के लिए जागरूक रहे विद्यार्थी : सचिव सुल्तानसिंह थालोड़ ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने हक एवं हित के लिए हमेशा जागरूक रहना चाहिए। कार्यक्रम में कक्षा 8 के बालकों ने एक नाटक 'हर किसी को मिले एक सम्मानीय अधिकार' के माध्यम से जन जागरूकता फैलाने का एक प्रयास किया जो काफी सराहनीय रहा।

प्रत्येक विशेष दिन के आयोजन के उद्देश्य को प्रतिमा पंवार ने रोजगार से भी जोड़ा। आज के सभी प्रतियोगी परिक्षाओं में विशेष दिनों की तिथियां पूछी जाती हैं अगर बालक व्यावहारिक तौर से मंच पर इनको मनायेगें तो उन्हे हमेशा ये तिथियाँ स्मरण रहेगी और ये हमारे पाठ्यक्रम का भी अहम हिस्सा है।

ये रहे उपस्थित : इस अवसर पर विमल जोशी, नरेन्द्र सिंह नरूका, घीसा लाल टेलर, रूपाली, हर्षिता शर्मा, निकिता, सुमन, मुस्ताक अहमद, मोहसीन खान, सुरेश गुर्जर, शिल्पा मुण्डेल, शिवानन्द, धर्मेन्द्र रायल और अनुराधा ने अपनी अहम भूमिका निभायी।

मारोठ महात्मा गांधी स्कूल के दामोदर प्रसाद राष्ट्रीय जंबूरी में सहयोग देने पहुंचे पाली

हितेश रारा

मारोठ(नागौर डेली न्यूज) : कस्बे की महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मारोठ के शिक्षक दामोदर प्रसाद खटनावलिया 6 दिसंबर से 15 दिसंबर तक पाली जिले के रोहट गांव में 18वीं राष्ट्रीय जंबूरी की तैयारियों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। राष्ट्रीय जंबूरी 66 सालों बाद राजस्थान में आयोजित की जा रही है।

राष्ट्रीय जंबूरी का आयोजन रोहट कस्बे के नीमली गांव में 4 जनवरी से 10 जनवरी तक होगा। दामोदर प्रसाद खटनावलिया विभिन्न प्रकार के गैजेट्स बनवाने में, एडवेंचर के बेस निर्माण में, टेंट लगाने में सहयोग कर रहे हैं। नागौर जिले से दामोदर प्रसाद खटनावलिया महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मारोठ, (नावां), कानाराम पलिया रा उ मा वि पुन्दलोता (डेगाना), राम कुमार स्वामी रा उ प्रा वि पट्टी डोबरिया, (बोरावड़) ये तीनों स्काउट मास्टर अपनी सेवाएं जंबूरी में सहयोग हेतु दे रहे हैं।

तीनों ही शिक्षक नागौर जिले का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं व राजकीय सेवा के साथ-साथ स्काउटिंग में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। खटनावलिया स्काउट के प्रति समर्पित शिक्षक हैं। उन्होंने हाल ही में नवंबर में ओटीएस रीपा में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। सीओ स्काउट नागौर अशफाक पवार,एल टी शैलेश कुमार पलोड़; सीबीओ नावा चांदमल शर्मा, नावा स्काउट सचिव मोहन सिंह सेवदा, पी ई ई ओ केदारमल शर्मा ,विद्यालय प्रधानाचार्य बेबी पवार ने उनके उज्जवल भविष्य की शुभ कामना दी।

मानवाधिकारों पर हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता में जमकर चले तर्कों के तीर

मारवाड़ पीजी महाविद्यालय में मानवाधिकार दिवस पर हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : स्टेशन रोड स्थित मारवाड़ पीजी महाविद्यालय में विश्व मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष में मानवाधिकारों पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया। वाद विवाद प्रतियोगिता का शुभारम्भ विधिवत रूप से महाविद्यालय के निदेशक सुल्तान सिंह थालोड़, अध्यक्ष बनवारी लाल पचार, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार बिजारणियां तथा प्राचार्य डॉ. एस.आर. कुमावत सरस्वती माँ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

वाद विवाद प्रतियोगिता की संयोजक जिज्ञासा जैन ने बताया कि वाद -विवाद प्रतियोगिता का शीर्षक मानवाधिकारों की आपराधिक मामलों में प्रासंगिकता रखा गया, जिसमें पक्ष व विपक्ष में छात्रों ने अपने विचारों को तर्कपूर्ण तरीके से मंच पर रखा। इस अवसर पर निदेशक सुल्तान सिंह थालोड़ ने मानवाधिकारों के परिपेक्ष्य में उदाहरण देते हुए मानवाधिकारों के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किये।

पूरी दुनिया में मानवता को नई परवाज देने में मानवाधिकार दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका : मानवाधिकार दिवस की महत्ता पर विचार रखते हुए प्राचार्य डॉ. एस.आर. कुमावत ने बताया कि पूरी दुनिया में मानवता को नई परवाज देने में मानवाधिकार दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर उन्होंने मानवाधिकारों पर विश्व पटल पर हो रहे वैश्विक परिदृश्य के बारे में विधार्थियों को अवगत करवाते हुए बताया कि मानवाधिकार मनुष्य के वे मूलभूत सार्वभौमिक अधिकार हैं, जिनसे मनुष्य को राष्ट्रीयता, धर्म, जाति, नस्ल, रंग इत्यादि किसी भी दूसरे कारक के आधार पर वंचित नहीं किया जा सकता।

इन्होंने चलाए तर्कों के तीर : प्रतियोगिता में भावना गुर्जर, प्रदीप दहिया, सरोज जाझड़ा, मोनिका, मीनू चौधरी, भूमिका शेखावत व कविता चौधरी ने शीर्षक के पक्ष में विचार व्यक्त किये वही शीर्षक के विपक्ष में अमन त्रिपाठी, राहुल मीणा, तनवीर, सुरेन्द्र, गायत्री शर्मा, शुभम व कुलवंत गौड़ ने अपने अपने विचारों के तर्कों से विश्व पटल पर हो रहे मानवाधिकारों के हनन पर अपने तर्कों से खूब रोमांचित किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता संयोजक ने प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि मानवाधिकारों के अंतर्गत मानव के आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक विकास में अवरोध उत्पन्न करने वाले मामलों पर या तो संज्ञान लिया जाता है या शिकायत के आधार पर समस्या को सुलझाया जाता है।

ये रहे विजेता : प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में दिव्या सिंह व मनीष मेघवंशी उपस्थित रहे।

निर्णायक मंडल के अनुसार वाद विवाद प्रतियोगिता में शीर्षक के पक्ष में कविता चौधरी-प्रथम व भूमिका शेखावत द्धितीय रहे जब कि शीर्षक के विपक्ष में कुलवंत गौड़ ने प्रथम व अमन त्रिपाठी द्धितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में ईश्वरराम बुगालिया, सुरेश कुमार मिश्रा, सुखाराम चौधरी, जगदीश प्रसाद बिश्नोई, कांता विश्नोई, बलवीर लोछब, कमलेश कुमार जाट, मनीष मेघवंशी, अंकिता जाखड़, देविका शर्मा तथा शंकरलाल उपस्थित रहे।

भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री आज करेंगे मिंडा में जन आक्रोश रैली को संबोधित

हितेश रारा

मारोठ(नागौर डेली न्यूज) : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राजस्थान भाजपा प्रभारी अरुण सिंह नावां विधानसभा की मिंडा ग्राम पंचायत में आज रविवार को प्रदेश भाजपा द्वारा चलाई जा रही जन आक्रोश रैली में सम्मलित होकर जनसभा को संबोधित करेंगे। मारोठ मंडल महामंत्री निर्मल योगी ने बताया की जन आक्रोश यात्रा का रथ रविवार को हिराणी से प्रारम्भ होगा। जन आक्रोश यात्रा रथ में विधानसभा क्षेत्र पार्टी के जनप्रतिनिधि, नेता एवं पार्टी पदाधिकारी साथ रहेंगे। जन आक्रोश यात्रा हिराणी से भांवता, इंदोखा, कांकरिया, भूणी, रेवासा दलेलपुरा, मुआना, राजलिया, श्यामगढ़, सोलायां, कांटिया, शिम्भुपुरा, देवली, देदियाकाबास होते हुए मिंडा पहुंचेगी, जहां राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह जन आक्रोश यात्रा में सम्मिलित होकर जनसभा को संबोधित करेंगे।

भाजपा की जन आक्रोश यात्रा का गाँवों में किया स्वागत

झूठे वादे कर किसानों, युवाओं को किया गुमराह : शिव देशवाल

जुगल दायमा

हरसौर(नागौर डेली न्यूज) : शनिवार को कांग्रेस सरकार के 4 साल पूरे होने पर भाजपा प्रदेश नेतृत्व में कांग्रेस के खिलाफ भाजपा की जन आक्रोश यात्रा का रथ हरसौर, थाटा, राजलौता, निम्बड़ी आदि गाँवो में पहुंचा। रथ का जगह-जगह पर स्वागत किया गया। स्थानीय गणेश मंदिर के सामने आयोजित सभा में बोलते हुए भाजपा नेता शिव देशवाल ने कहा कि कांग्रेस ने राजस्थान को 4 साल में अपराध, महंगी बिजली, महंगा पेट्रोल-डीजल किसानों की कर्ज माफी का झूठा वादा करके बेरोजगारी भत्ता नहीं देकर धोखा दिया है। सरकार के तानाशाही रवैये से धरातल पर युवा दर-दर की ठोकरे खा रहा है व आमजन मंहगाई की मार को झेल रहा है। किसान समय-समय पर आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहा है। सरकार

द्वारा बाजरे की खरीद की घोषणा न करने के कारण जहां हरियाणा में बाजरा 2300 रूपये प्रति क्विंटल बिक रहा है, वहीं राजस्थान में किसान 1300 से 1400 में बाजरा बेचने को मजबूर है। गहलोत अपनी सरकार बचाने में लगे हुए हैं और दूसरी और व्यवस्थाओं से लोग जूझ रहे हैं। राहुल गांधी ने 17 दिसंबर 2018 को किसानों के कर्ज माफी की घोषणा की थी लेकिन आज तक प्रदेश सरकार किसानों का एक रुपया भी कर्ज माफ नहीं कर पाई हैं। बेरोजगारी भत्ते का वादा भी कांग्रेस सरकार ने पूरा नहीं किया। भारत जोड़ो यात्रा के नाम पर देश को बेवकूफ बनाया जा रहा है। यात्रा के दौरान लोगों ने कांग्रेस सरकार पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए जन समस्या पेटी में अपनी शिकायत भी डाली। इस अवसर पर प्रधान जसवंत सिंह थाटा, यात्रा संयोजक सुरेश मेवड़ा, मण्डल अध्यक्ष बलबीर सिंह गुढ़ा, हेमराज दिवाकर, चेनाराम भींचर, कैलाश तापड़िया, कुलदीप सिंह गोल, दौलत सैनी, विनोद टेलर, आशाराम लेगा, गोपीराम मुंडेल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कीतलसर में ट्रांसफार्मर चोरों ने बोला धावा, एक ही रात में कई डीपी उड़ाये

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। शुक्रवार की मध्यरात्रि अज्ञात चोरों ने कितलसर गांव में धावा बोलकर एक साथ कई बिजली के ट्रांसफार्मर चोरी कर भाग गये। गांव के तीनों ट्रांसफार्मर चोरी होने के बाद गांव में पूरी तरह से अंधेरा छा गया ओर लोग परेशान रहे। जानकारी के अनुसार कीतलसर के मेघवालों के मोहल्ला, हरिजन के मोहल्लें व वोडाफोन टावर के ट्रांसफॉर्मर को चोरों ने रात के समय चोरी कर ले गए। इसके अलावा एक ट्रांसफार्मर कीरड बस स्टेण्ड से व एक ट्रांसफार्मर बाजोली रोड स्थित चोयलों की ढाणी से भी चोरी करने की बात सामने आई है। एक साथ कई डीपी चोरी होने से बिजली महकमें मे भी हडकंप मचा गया। इसे लेकर जेईएन मधुर जैन ने जानकारी देकर बताया कि अल सुबह गांव से सुचना मिलने पर मौके पर पहुंच कर मौका मुआयना करके पुलिस थाना डेगाना मे रिर्पोट दर्ज करवायी।

पूर्व पंचायत समिति सदस्य रहे रतनलाल बुगालिया ने जानकारी देकर बताया की पिछले माह मे भी डेगाना क्षेत्र से चार ट्रांसफार्मर चोरी हो गये, जिसमें डेगाना, चुई व अन्य गांव मे अज्ञात चोरो द्वारा चोरी की वारदातों कां अंजाम दिया जा चुका है।

9 लाख रूपये की धोखाधड़ी के आरोपी को दबोचा

लुकमान शाह

थांवला(नागौर डेली न्यूज)। 9 लाख रूपये की धोखाधड़ी के आरोपी गिरफ्तार प्रकरण में थांवला थाना त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को ग्राम मिदियान से दबोचा। गौरतलब है कि 23 नवम्बर को परिवार उगाराम पुत्र पेमाराम जाति जाट उम्र 45 वर्ष निवासी मोरियाणा थांवला थाना को टाईप सुदा इस्तगासा धारा 156 (3) सीआरपीसी के तहत न्यायालय एसीजेएम डेगाना से जरिये डाक थाना पर प्राप्त हुआ, जिसमें लिखा था अपनी भांजी की सगाई आरोपी दिलीप कुमार के चाचा के बेटे जितेन्द्र पुत्र मुगनाराम जाति जाट के साथ दिसम्बर 2021 में की थी। जिसके बाद मुलजिम द्वारा प्रार्थी से लडकी के ससुराल पक्ष को शादी में जरूरत के नाम पर 9 लाख रूपये लेकर ससुराल पक्ष को बिना बताये हडप लिया गया। इस पर प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी दिलीप कुमार को ग्राम मिदियान से गिरफ्तार कर थाना लाये।

मंदबुद्धी महिला को 'अपना घर' संस्था कुचामन को सौंपा

श्याम सुंदर प्रजापत

मीठड़ी(नागौर डेली न्यूज) : मीठड़ी कस्बे में शनिवार रात्रि को एक मंदबुद्धि महिला लावारिस हालात में घूमती हुई मिली। उसको मीठड़ी सरपंच केला देवी बावरी व विकास समिति अध्यक्ष ठाकुर वीरेंद्र सिंह ने मीठड़ी गौशाला में रात्रि में भेज दिया। सर्दी से बचाव के यहा पर रात्रि में रखा गया। दूसरे दिन कुचामन के 'अपना घर' नाम से चल रही संस्था जो लावारिस घूमने वाले या मंदबुद्धि महिला या पुरुष को अपने यहां मरखती है। उचित व्यवस्था देती है। खाने, पीने रहने की सहित अदि उचित सुविधा उपलब्ध कराती है। रात्रि में मिली मंदबुद्धि महिला को कुचामन स्थित अपना घर संस्था हो सूचित किया। संस्था संचालकों को वाहन के साथ अपने कार्मिकों भेजकर महिला अपने साथ ले गए, जिससे उसको उसके निवास स्थान या ग्रह नगर भेज सके क्योंकि उसकी भाषा कस्बे के निवासियों को समझ नहीं आ रही थी। इस दौरान विकास समिति अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौड़, सरपंच कैलादेवी बावरी, वार्ड पंच प्रेमसुख योगी, गोसेवक विजेन्द्र, अपना घर संस्था कार्मिक व अन्य मौजूद थे।

लॉयन्स क्लब ने किए सेवा कार्य

जरूरतमंद को सिलाई मशीन व स्वेटर्स वितरित, लॉयन प्रान्तपाल के कुचामन आगमन पर हुए सेवा कार्य

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज)। लॉयन प्रान्तपाल दिलीप तोषनीवाल के कुचामनसिटी आगमन पर लॉयन्स क्लब कुचामनसिटी द्वारा शनिवार को शहर में अनेक सामाजिक सरोकार कार्य आयोजित किए गए। इस क्रम में शहर के सोनीदेवी सोमानी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन वितरण, 30 विद्यार्थियों को सर्दी से बचाव के लिए स्वेटर वितरण एवं विद्यालय में दरी पट्टी वितरण किए गए। कार्यक्रम में लॉयन प्रान्त 3233-ई-2 के प्रान्तपाल दिलीप तोषनीवाल एवं उनकी धर्म पत्नी श्रीमती मधु तोषनीवाल मुख्य अतिथि थे जबकि अध्यक्षता उपप्रान्तपाल द्वितीय लॉयन श्यामसुन्दर मंत्री ने की। कार्यक्रम में लॉयन अध्यक्ष मुकेश डालुका, सचिव मनोज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट केबिनेट मेम्बर लॉयन हेमराज पारीक, मनोहर पारीक, शुभम मण्ढावाला, भामाशाह दामोदर झंवर, प्रधानाचार्या श्रीमती रेखा शर्मा मंचासीन थे। समारोह को सम्बोधित करते हुए लॉयन प्रान्तपाल दिलीप तोषनीवाल ने कुचामन क्लब के सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज लॉयन्स क्लब कुचामनसिटी की पूरे प्रान्त में विशेष पहचान है। नर सेवा को नारायण सेवा बताते हुए तोषनीवाल ने सेवा के इस क्रम में अनवरत बनाए रखने की सीख दी।

उपप्रान्तपाल द्वितीय लॉयन श्यामसुन्दर मंत्री ने विश्वास दिलाया कि विद्यालय में भविष्य में भी सेवा कार्य जारी रहेंगे। लॉयन अध्यक्ष मुकेश डालुका ने क्लब द्वारा किए जा रहे कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी।

सत्ता के मद में डूबी कांग्रेस सरकार : एडवोकेट पालियाल

अ.रहमान देवड़ा

मूण्डवा (नागौर डेली न्यूज)। शनिवार को भारतीय जनता पार्टी की जन आक्रोश यात्रा पांचला सिद्धा मण्डल के ग्राम कुडछी के आम गवाड से शुरू होकर ईशरनावडा,पापासनी,बिरलोका, खटौडा, साटिका, पीपलिया, पांचला सिद्धा,नारवाकला,कांटिया होते हुए आचीणा पहुँची, जहां रात्री चौपाल के बाद यात्रा का समापन हुआ, जगह जगह ग्रामीणो ने यात्रा,यात्रा के सहभागी लोगो का भव्य स्वागत किया गया। यात्रा का शुभारंभ भाजपा नेता कानाराम पालियाल धन्नजय सिंह खींवसर, उपेन्द्र दवे,मण्डल अध्यक्ष हीराराम गौदारा ने पार्टी का ध्वज दिखाकर किया गया।इस अवसर पर यात्रा के दौरान पालियाल ने बताया कि जिस प्रकार से लोगों का जनाक्रोश दिख रहा है उससे यह प्रतित होता है कि आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा एक चमत्कारी बहुमत के साथ सरकार बनाएगी ।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने दोतिना पहुंचकर दी परिजनों को सांत्वना

मृतक कड़वासरा के परिजनों ओर बेटियों को सांत्वना देकर जताया शोक

रमेश जाजड़ा

जायल(नागौर डेली न्यूज) : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने शनिवार को दोतिना गांव में पहुंचकर सीकर में हुए राजू ठेठ हत्याकांड में जान गंवाने वाले मृतक ताराचन्द कड़वासरा के निधन पर उनके परिजनों को सांत्वना दी। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पुनिया ने मृतक ताराचन्द कड़वासरा के फ़ोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर शोक जताया इस दौरान डॉ पूनिया मृतक ताराचन्द की बेटियो से मिलकर मजबूती रखकर आगामी शिक्षा जारी रखने को कहा गया।

इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पुनिया मीडिया से रूबरू हुए और बताया कि पार्टी के सभी पदाधिकारी मृतक के परिजनों के साथ है, परिजनों और ग्रामवासियों द्वारा बताये गई मांगो पर आवाज उठाई जायेगी। पूनिया ने वर्तमान कांग्रेस सरकार की कानून व्यवस्था पर चिन्ता जताते हुए कहा कि राज्य की कानून व्यवस्था भगवान भरोसे चल रही है। राज्य में चार साल से कोई पूर्णकालिक गृहमंत्री नहीं मिला और पूरा प्रदेश माफियो के हवाले है। सरकार अपनी संवेदना भूल चुकी सरकार के द्वारा परिवार की मदद के लिये आगे आना चाहिये था लेकिन इस घटना को लेकर गृहमन्त्री तक का बयान नही आया है। इस दौरान पूर्व भाजपा सांसद सीआर चौधरी, भाजपा सीकर महिला मोर्चा के इंदिरा चौधरी,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष माधाराम चौधरी, भाजपा जिला महामंत्री रामकिशन खीचड़, जिला सयोजक रामधन पोटलिया, पूर्व विधायक डॉ मंजु बाघमार, सन्त नानकदास महाराज, बुधाराम गर्वा ,हिमताराम बावरी,सुरेश मेघवाल सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बेटियो को मदद का दिलाया भरोसा

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पुनिया ने मृतक ताराचन्द की तीनो बेटिया मोनिका, कोनिटा ,बीना से मिलकर हिम्मत ओर मजबूती रखने का संदेश देकर आगामी शिक्षा जारी रखने को कहा एव बेटियों को हरसम्भव मदद का भरोसा जताया।

'भारत जोड़ो पदयात्रा' में शामिल होने के लिए नावां विधानसभा से सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने किया बूंदी कूच

महेंद्र चौधरी के नेतृत्व में रवाना हुआ दल

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी (नागौर डेली न्यूज) : भारत जोड़ो पदयात्रा में शामिल होने के लिए शनिवार को सैकड़ों की संख्या में नावां विधानसभा से कांग्रेसी कार्यकर्ता बस व मोटर गाड़ियों से बूंदी के लिए रवाना हुए। महेंद्र चौधरी उप मुख्य सचेतक राजस्थान सरकार के नेतृत्व में नावां-कुचामन से हजारों कार्यकर्ता भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए गाड़ी और बसों और निजी साधनों से बूंदी के लिए रवाना हुए। राहुल गांधी जिंदाबाद, कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाते हुए सैकड़ों कार्यकर्ता भारत जोड़ो पदयात्रा के लिऐ रवाना हुए।

कांग्रेस आईटी सेल मैंबर गिरधारी महला ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारे जननायक महेंद्र चौधरी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा में सम्मिलित होने के लिए नावां-कुचामन से सैकड़ों कार्यकर्ता बस व गाड़ियों से राजस्थानी पोशाक में कुचामन से बूंदी के लिए रवाना हुए। राहुल गांधी जिंदाबाद, कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद, अशोक गहलोत जिंदाबाद, महेंद्र चौधरी जिंदाबाद के नारे लगाते हुए कार्यकर्ताओं रवानगी ली। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शेरखान, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुतेन्द्र सारस्वत, बुद्धा राम चौधरी, ईश्वरराम साहू, जयप्रकाश शेषमां, सरपंच संघ अध्यक्ष धन्नाराम फौजी, सुरेंद्र कंसवा हरीपुरा, महेंद्र मुंड, जगदीश भूकर, दाना राम रॉयल टोडास, तिलोकाराम राहिल, जीवनराम किरडोलिया गोगोर, गोविंद राम, राहुल नेहरा, शक्ति सिंह आसपुरा, नेमाराम आसपुरा, खेमाराम मंडा चारणवास के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डेगाना विधानसभा क्षेत्र जन आक्रोश यात्रा पहुंची भैरून्दा

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। राजस्थान कांग्रेस सरकार की जन विरोधी नीतियों, अपराध, भ्रष्टाचार व महिला एवं दलितों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ भाजपा की चल रही जन आग्रोश यात्रा डेगाना विधानसभा के हरसौर, थाटा, मोडी कंला व भैरून्दा आदि गांवों में पहुंची। इस दौरान कांग्रेस सरकार की जन विरोधी नीतियों के प्रति जनता को जागरूक किया व पर्चे बांटे, उपस्थित लोगों ने अपनी शिकायते लिखित मे लिखकर शिकायत पेटिका में डाली तथा यात्रा से जुडने के लिए दिए गए नंबर पर कॉल भी किया। बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान के जिला संयोजक शिव देशवाल ,भैरून्दा पंचायत समिति के प्रधान जसवंत सिंह आदि ने कहा की राजस्थान में बढ़ती अराजकता, खत्म होती कानून व्यवस्था से प्रदेश की जनता में कांग्रेस सरकार के खिलाफ व्यापक आक्रोश व्याप्त है। जनता जनार्दन का यह आक्रोश राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के अराजक मंसूबों को भस्म करके रहेगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान के जिला संयोजक,भैरून्दा प्रधान जसवंत सिंह थाटा, जिला उपाध्यक्ष हेमराज दिवाकर, डेगाना विधान सभा विस्तारक सुरेंद्र नायक, सुरेश मेवडा, हरसौर मंडल अध्यक्ष बलवीरसिंह, डेगाना मंडल अध्यक्ष महेश दिवाकर, आशाराम लेगा,जस्साराम गुर्जर,डेगाना मंडल महामंत्री मोहन सिंह, कृपाशंकर तम्बोली, हरीराम मुवाल, रविन्द्र चौयल, गोपीराम मुण्डेल, कैलाश मुण्डेल, एवं भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक जन उपस्थित थे।

सी.आर. चौधरी ने प्रस्तुत किया दान-पुण्य की भामाशाही शैली का अनुपम उदाहरण

अ.रहमान देवड़ा

मूण्डवा(नागौर डेली न्यूज)। हालही में संस्था की पूर्व छात्रा मोनिका के पिता ताराचन्द की गुण्डा गिरोह द्वारा गोली मारकर की गई बर्बर, नृशंस एवं जघन्य हत्या के विरोध में वीर तेजा महिला शिक्षण एवं शोध संस्थान तेजास्थली के अध्यक्ष एवं पुर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री सी.आर. चौधरी गौर भर्त्सना के साथ इस प्रकार के कुकृत्य को समाज के लिए कलंक बताया साथ ही परम पिमा परमेश्वर से दिवंगत आत्मा के वैकुण्ठवास, मोक्ष एवं देवगति की कामना एवं शोकाकुल परिजनों को इस असहाय वेदना और दुखान्तिका को सहन करने की सामर्थ्य क्षमा और ढाढस प्रदान करने की कामना की। गोरतलब है कि शोक संतप्त परिजनों को कष्ट की घड़ी में उनकी सहायतार्थ एवं पुत्री मोनिका कड़वासरा की अनवरत उच्च शिक्षा हितार्थ एक लाख रूपयें दान राशि का चैंक सी.आर.चौधरी, संजीव डांगावास, सुखराम फिडौदा, रामनिवास बाज्या, रामाकिशन झींझा, रेवतराम, सम्पत, दौलत गोदारा द्वारा दान देकर दानपुण्य की भामाशाही शैली का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

मगन सिंह के संबल से कृष्णा के हुए हाथ पीले

स्वामी ओमदास ने दिया आशीर्वाद, आनंद परिवार ने भी की मदद

अबरार अली बेरी

डीडवाना(नागौर डेली न्यूज) : क्षेत्र के ग्राम बनवासा में व्यवसायी, समाज सेवी मगन सिंह के एक सड़ प्रयास की सर्वत्र प्रशंसा की जा रही है, मगन सिंह ने सांगलिया धूणी पीठाधीश्वर महाराज ओम दास के सानिध्य में गांव की एक हरिजन समाज की बेटी का विवाह कर सामाजिक समानता, सामंजस्य और सेवा भाव का जीवंत उदाहरण पेश किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुशार ग्राम बनवासा के प्रेमा राम वाल्मिकी की सुपुत्री कृष्णा कुमारी का विवाह 10 दिसम्बर को होना तय था, प्रेमा राम की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मगन सिंह ने उक्त जिम्मेदारी के निर्वहन की जिम्मेदारी लेने का आग्रह महाराज ओम दास ने किया तो स्वयं महाराज ने गांव पधार कर मगन सिंह की तरफ से एक लाख व स्वयं की तरफ से इक्कीस हजार व आनंद परिवार की तरफ से इक्कीस हजार नकद प्रेमा राम को अपने हाथों से सौंप कर विवाह संम्पन का आशीर्वाद दिया ।

मगन सिंह ने शादी में जरूरत योग्य समान जो करीब एक लाख का आया उसका भी इंतजाम स्वयं कर एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया। इस मौके पर स्वामी ने एआन आशीर्वचन में कहा कि जिस दिन युवा तरुणाई ने ऐसी जिम्मेदारियों के निर्वहन का जिम्मा उठा लिया समझो समाज मे उस दिन से समानता, सदाचार और एक आदर्श स्थापित हो जाएगा ।

इस दौरान आनंद परिवार से योगिता आनंदपाल सिंह, राजेन्द्र सिंह भिराना, नटवर लाल, मुकेश कुमार, नरेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, आयुवान सिंह, बहादुर सिंह, देवेंद्र सिंह, बालू तंवर, कुलदीप सिंह, पृथ्वीराज खूड़, भवानी सिंह सहित बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग उपस्थित होकर कृष्णा को आशीर्वाद दिया ।

कॉन्स्टेबल दीपाराम का शरीर हुआ पंचतत्व में विलीन

हितेश रारा

मारोठ(नागौर डेली न्यूज) : कस्बे के निकटवर्ती ग्राम अजीतपुरा निवासी कांस्टेबल दीपाराम जाखड़ के पार्थिव शरीर की शुक्रवार सुबह राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि की गई। दीपा राम जाखड़ को मुखाग्नि भतीजे हरेंद्र ने दी। मारोठ पुलिस थाना क्षेत्र के अजीतपुरा निवासी कांस्टेबल दीपा राम जाखड़ 32 पुत्र सूखाराम जाखड़ के शरीर पर मारोठ थानाधिकारी खेताराम चौधरी ,नावां हेड कांस्टेबल प्रेमाराम , कोटा हेड कांस्टेबल महावीर प्रसाद सहित जवानों ने पुष्प अर्पित कर सलामी दी। गौरतलब है कि कांस्टेबल दीपा राम जाखड़ कोटा में कार्यरत थे व पिछले 3 माह से डेंगू की बीमारी से पीड़ित होने की वजह से जयपुर अस्पताल में भर्ती थे इलाज के दौरान गुरुवार को अंतिम सांस ली। अंतिम संस्कार में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

डीडवाना में हुए हमले के मामले में तीन दिन बाद रिपोर्ट दर्ज

- पुलिस अधीक्षक राम मूर्ति जोशी के हस्तक्षेप के बाद किया दर्ज
- पीड़ित का हुआ मेडिकल, मौका रिपोर्ट तैयार, जांच जारी

अबरार अली बेरी

डीडवाना(नागौर डेली न्यूज) : नगर के बकरा मंडी के सामने स्थित एक मकान पर तीन दिन पूर्व हुए हमले की एफ आई आर आखिर शनिवार को पुलिस ने दर्ज कर ली। बताया जा रहा है कि नागौर पुलिस अधीक्षक राम मूर्ति जोशी के हस्तेक्षप के बाद यह मामला दर्ज किया गया है। शनिवार दोपहर 12 बजे दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित इकबाल मो. पुत्र फतेह मोहम्मद ने लिखित रिपोर्ट देकर बताया कि पड़ोसी जुल्फिकार पुत्र खलील अहमद सिलावट व नोशाद, शाहिद व शहजाद हाथों में लाठियां व कुल्हाड़ी लेकर घर पर हमला बोल दिया। इस हमले में उन्होंने घर के एलईडी व अलमीरा के अलावा अन्य सामान तोड़ने के साथ ही घर पर मौजूद मेरी बेटियों और माँ को भी निशाना बनाया। रिपोर्ट में लिखा गया कि जैसे तैसे मेरी माँ ने पड़ोसियों के घर शरण लेकर अपनी जान बचाई। वंही मेरी बेटियों ने अपने आपको कमरे में बंद करके खुद को बचाया। घटना की सूचना मिलने पर मैं जब घर पहुंचा तो उक्त नामित लोगों ने मुझे बीच रास्ते रोक कर मारपीट की एंव मेरे को गालियां देने के साथ ही हमें जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने इकबाल की रिपोर्ट पर मुकदमा धारा 452, 427, 341, 323 व 504 आईपीसी में दर्ज कर जांच हैड कांस्टेबल दशरथ सिंह के सुपुर्द की है। आई ओ दशरथ सिंह ने बताया कि मुकदमे में देरी का कारण आपसी समझाइश रही।

डेगाना विधानसभा क्षेत्र में बिछेगा सड़कों का जाल : मिर्धा

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। विधायक विजयपाल मिर्धा की अनुशंसा से 5.19 करोड़ रुपए की लागत से 40 किलोमीटर लंबी सड़कों का जाल बिछाया जाएगा। कांग्रेस आईटी सेल प्रभारी दीपक अग्रावत ने बताया कि सार्वजनिक निर्माण विभाग ने प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति दे दी है। सड़कों की स्वीकृति होने पर क्षेत्रवासियों ने विधायक विजयपाल मिर्धा का आभार जताया। इन सड़कों का होगा निर्माण निम्बड़ी चांदावता से सिंधलास फान्ता तक 5 कि.मी, डेगाना गांव से जावा सिसोदिया तक 3 कि.मी, निम्बडी चांदावता से देशवाल मार्ग की तरफ 5 कि.मी, बुटाटी से सिरसना तक 5 कि.मी, सोहनपुरा से चांदनी तक 2 किमी, इग्यासनी से पोलास तक 3 कि.मी, सोहनपुरा से बरना तक 3 कि.मी, भारली से रावतसर तक 3 कि.मी समेत अन्य सड़कों का निर्माण होगा।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक सद्दाम द्वारा नेशनल प्रिंटर्स, लोहा मंडी, डीडवाना से मुद्रित तथा घाटी कुआँ, छीपा मोहल्ला, कुचामनसिटी, जिला नागौर (राज.) से प्रकाशित। मोबाइल नम्बर 7737211664 Email-nagaurdaily0@gmail.com